assets either in their own name or in the name of their wives and other relations;

(b) whether corruption amongst these officers has been raising from the level of Senior Manager and above; and

(c) if so, the facts and details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) The Income-tax Department is not aware of complaints of tax evasion against senior officers of Uttar Pradesb Export Corporation Ltd.

(b) and (c) Do not arise in view of reply to part (a) above

1490. [*Trasferred to 17th December, 1993.*]

Overseas Corporate Bodies Entering India

1491. PROF. SAURIN BHATTACHARYA:

SHRI GHUFRAN AZAM:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the names and number of Overseas corporate bodies which are normally governed by fera and have entered India since liberalisation of rules;

(b) whether it is a fact that many of them have not brought in capital in foreign exchange and are more dependent on Indian public share contribution; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) No separate list of investments by Overseas Corporate Bodies such as Overseas Companies, partnership firms, societies and other corporate bodies predominently owned by NRIs is maintained either by the Central Government or the Reserve Bank of India.

(b) Government has no information to indicate that many of these overseas corporate bodies have not brought in capital in foreign exchange while investing in India.

(c) Does not arise.

Performance of United Bank of India

1492. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that United Bank of India has lost a major portion of money to some export traders;

(b) if so, the facts and details thereof; and

(c) the steps taken by Government to improve the performance of United Bank of India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) and (b) The United Bank of India (UBI) has reported that it has not lost any money in respect of advances made to exporters. However, there are some accounts which have become sticky and some advances by way of pre-shipment and post-shipment credit have been long overdue. The bank is making all efforts to realise such overdue advances, if necessary through legal recourse and through securities available with the bank.

(c) United Bank of India, like other nationalised banks is required to enter into a performance agreement with the Reserve Bank of India covering such key areas as staff productivity assets management including reduction of non-performing assets and expenditure control.

Capital Adequacy norms for stock Exchanges

1493. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Securities and Exchange Board of India (SEBI) has recently finalised

capital adequacy norms for Stock Exchanges in the country; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

1494. [*Transferred to 24th December, 1993.*]

(राष्ट्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना)

1495. **श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवान** : क्या वित्त मंत्री 2 मार्च, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 885 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना सहित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के संबंध में प्रस्तुत किए गए अनेक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इस संबंध में काफी लम्बे समय से अर्थात् मार्च 1993 से दिसम्बर 1993 तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और यह निर्णय कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) से (घ) सरकार ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर०आर० बी०) के पुनर्गठन के लिए परामर्श की प्रक्रिया शुरू की है। भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक (एन आर बी आई) की स्थापना के प्रस्ताव सहित कई वैकल्पिक माडलों पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)/भारतीय रिजर्व बैंक (आर बी आई) के परामर्श से विचार किया गया है। संसद सदस्यों और आर०आर०बी० कर्मचारियों के संघों इत्यादि ने भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। वित्त मंत्री ने विभिन्न राजनीतिक दलों के संसद सदस्यों की राय जानने के लिए दिनांक 7-10-93 को उनके साथ एक बैठक आयोजित की थी। उनके द्वारा दिए गए सुझावों की सरकार सक्रिय रूप से जांच कर रही है।

गैर-सरकारी क्षेत्र में वित्तीय संस्थाओं की भूमिका के संबंध में मार्गदर्शक सिद्धान्त

1496. **श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवान** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड गैर सरकारी क्षेत्र में वित्तीय सस्थाओं को भूमिका के संबंध में मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार करने पर विचार कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस मामले में अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) क्या सरकार आचार संहिता और नियम बनाने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) जी, नहीं। निजी क्षेत्र में वित्तीय संस्थाओं की भूमिका से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का संबंध नहीं है। इसके बजाए "सेबी" का संबंध बाजार से पूंजी जुटाने के मामलों में ऐसे संस्थाओं को विनियमित करने तथा निवेशकों की रक्षा करने से है। "विकास वित्तीय संस्थाओं" (निजी क्षेत्र में वित्तीय संस्थाओं सहित) के संबंध में इस प्रयोज-